DPL–04

December – Examination 2023

Diploma in Prakrit Language Examination

पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियाँ

Paper : DPL-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) पाण्डुलिपि विज्ञान किसे कहते हैं ?

   (ii) लेखन प्रक्रिया का सर्वप्रथम अंग कौनसा है ?

   (iii) सिद्धम् का संक्षिप्तीकरण चिह्न लिखिए।

(iv) पुष्पिका किसे कहते हैं ?

(v) लिपि के विकासक्रम में प्रथम चरण क्या है ?

(vi) 'विकृत' शब्द किसे कहते हैं ?

(vii) हस्तलेखागार का प्रधान उद्देश्य क्या है ?

(viii) विअम्लीकरण किसे कहा जाता है ?

(ix) जड़ाऊ प्रक्रिया क्या है ?

(x) तेरापंथी बड़े मन्दिर के पाण्डुलिपि भण्डार कहाँ स्थित हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. पाण्डुलिपि विज्ञान का अन्य विज्ञानों से क्या सम्बन्ध है ? समझाइए।

3. लिपिकर्ता के प्रकारों को संक्षेप में समझाइये।

4. एकाक्षरी अंक लेखन को समझाइये।

5. अशुभ एवं शुभ अक्षरों की फलश्रुति पर प्रकाश डालिए।

6. क्षेत्रीय अनुसन्धानकर्ता के गुणों को लिखिए।

7. पद्मभगत की पद्धति को स्पष्ट कीजिए।

8. पाण्डुलिपि और व्यावहारिक समस्याओं को समझाइए।

9. शब्द के त्रिविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. लिप्यासन के आधार पर पाण्डुलिपि के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

11. लिपि किसे कहते हैं ? ब्राह्मी एवं खरोष्ठी लिपि का वर्णन कीजिए।

12. पाण्डुलिपि के सम्पादन एवं पाठालोचन पर एक लेख लिखिए।

13. पाण्डुलिपि के कालनिर्णय की विधियों की समीक्षा कीजिए।